दृष्टि The Vision

धारचूला में भूस्खलन

चर्चा में क्यों?

हाल ही में उत्तराखंड के **पथौरागढ ज़लि में धारचूला जाने वाली सड़क** पर भीषण [भूस्खलन]() के कारण सड़क पूरी तरह से **अवरुद्ध** हो गई है।

- [अत्यधकि वर्षा]() के कारण उत्तराखंड में छह राजमार्ग और 96 सड़कें बंद हैं। भूस्खलन के कारण 47 ग्रामीण सड़कें अवरुद्ध हो गई हैं।

मुख्य बदि:

- **अत्यधकि वर्षा के कारण भूस्खलन और [दुर्घटनाएँ]()** होती हैं, जो हर मानसून में उत्तराखंड के लयि एक बड़ी चुनौती बन जाती है।
  - वर्ष 2023 में जून से सतिंबर तक लगभग 100 लोग मारे गए और कई लापता हो गए।
- मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने **[मानसून]() के दौरान सभी ट्रांसफार्मरों की सुरक्षा ऑडटि कराने का आह्वान कयि** तथा **वदि्युत उत्पादन को बढ़ावा देने के लयि राज्य में औद्योगकि संस्थानों के तीव्र वकिस का आग्रह कयि।**

भूस्खलन

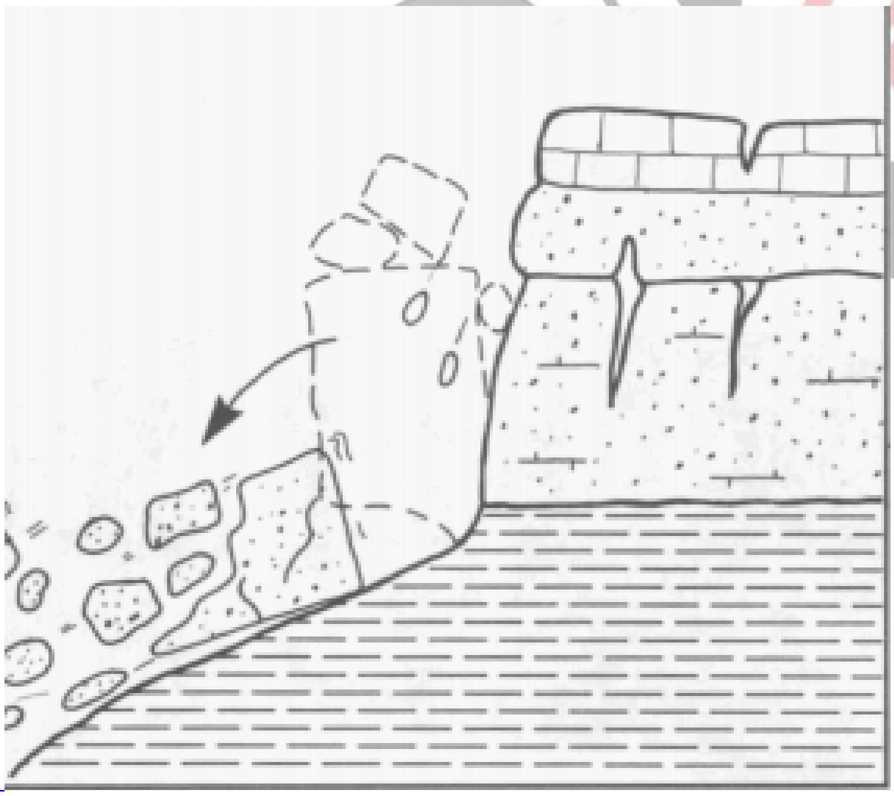

[//]()

- **[भूस्खलन]() को चट्टान, मलबे या मृदा के द्रव्यमान का ढलान से नीचे खसिकना** कहा जाता है।
- वे **एक प्रकार का सामूहकि क्षय** है, जो गुरुत्वाकर्षण के प्रत्यक्ष प्रभाव के तहत मृदा और चट्टान के नीचे की ओर होने वाले कसिी भी प्रकार के संचलन को दर्शाता है।
- **भूस्खलन शब्द में ढलान की गति के पाँच प्रकार शामलि हैं: गरिना, लुढ़कना, खसिकना, फैलना और बहना।**
- **कारण:**

- **जब नीचे की ओर कार्य करने वाले बल** (मुख्यतः गुरुत्वाकर्षण के कारण) ढलान बनाने वाले पृथ्वी के घटकों की ताकत से अधिक हो जाते हैं, तो **ढलान विस्थापन** होता है।
- भूस्खलन तीन प्रमुख कारकों के कारण होता है: भूविज्ञान, आकृति विज्ञान **और मानवीय गतिविधि।**
  - **भूविज्ञान** सामग्री की विशेषताओं को संदर्भित करता है। धरती या चट्टान दुर्बल या खंडित हो सकती है या अलग-अलग परतों में **भिन्न-भिन्न ताकत और कठोरता** हो सकती है।
  - **भूमि की संरचना को आकृति विज्ञान** कहा जाता है। उदाहरण के लिये भूस्खलन की संभावना उन ढलानों पर अधिक होती है, जहाँ आग या सूखे के कारण वनस्पतियाँ नष्ट हो गई हों।
    - वनस्पति मृदा को अपने स्थान पर बनाए रखती है और पेड़ों, झाड़ियों तथा अन्य पौधों की जड़ प्रणालियों के बिना, भूमि के खिसकने की संभावना अधिक होती है।
  - **मानवीय गतिविधियाँ,** जिनमें कृषि और निर्माण शामिल हैं, भूस्खलन के जोखिम को बढ़ाती हैं।
- **भूस्खलन-प्रवण क्षेत्र:**
- संपूर्ण हिमालयी क्षेत्र, **पूर्वोत्तर भारत के** उप-हिमालयी इलाकों **की पहाड़ियाँ/पर्वत,** पश्चिमी घाट, **तमिलनाडु के कोंकण क्षेत्र में** नीलगिरी भूस्खलन-प्रवण हैं।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/landslide-in-dharchula